

चक्षु चिकित्सा के दौरान क्या करें और क्या न करें

१. इस अस्पताल में इलाज करा रहे मरीजों को सलाह दी जाती है कि सिर्फ डॉक्टर के अनुमति मिलने पर ही 'सिर स्नान' करें।



२. नेत्र रोगियों को अपनी आंखों को साबुन, तेल और पानी से बचाना होगा।

३. जबरन और सीधे आंखों पर पानी का छिड़काव न करें।



४. 'तर्पण' और 'आश्रतन' उपचार के बाद निर्धारित समय तक अपनी आंखों को प्रकाश में न रखें। इस दौरान ठंडे चश्मे/ काले चश्मे का प्रयोग करें या अपनी आंखों को मोटे साफ कपड़े से ढक लें।

५. बच्चों को बेचैन हरकतों और खेलने के कारण अपने शरीर से पसीना बहाने से बचना चाहिए।



६. आंखों का इलाज करा रहे मरीजों को दिन में नहीं सोना चाहिए।

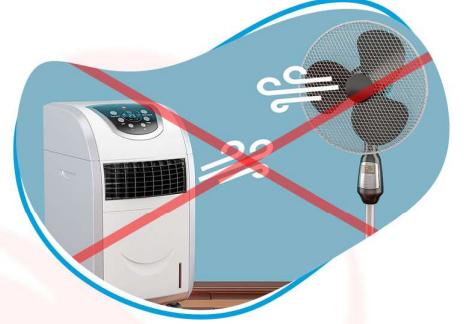


७. रात को गहरी नींद जरूरी है।



८. स्नेहपान उपचार के दौरान अपने आहार को 'कांजी और सूखे अदरक के पानी' तक सीमित रखें।

९. जब आप 'पिचू, तरपन, लेप, बीडालक' आदि उपचार करवा रहे हों तो पंखे और एयर कंडीशनर के उपयोग को प्रतिबंधित करें।



१०. जब तक आपको ऐसा करने के लिए न कहा जाए तब तक अपने शरीर से लगाया गया तैल, लेप, पिचु आदि न निकालें। इन उपचारों के दौरान एक जगह आराम से बैठे रहे और इधर-उधर न घूमें।

११. मधुमेह रोगियों को डॉक्टर द्वारा निर्धारित आहार का विवरण कैटीन को पहले से देने की सलाह दी जाती है।



१२. डॉक्टर परिदर्शन के दौरान, मौखिक दवा और प्रमुख उपचार के समय मरीजों को उनके कमरे में उपलब्ध रहना चाहिए।

विवरण

ओपीडी - (सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक) हर दिन

आईपीडी - २४ घंटा * ७ दिन

फ़ोन नंबर - ७००८१७६०१२, ९४३७०५५०२१

ईमेल - info@astangayurveda.com

वेबसाइट - www.astangayurveda.com

